PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Business Bhaskar, Faridabad
Thursday 24th April 2014, Page: 8
Width: 18.07 cms, Height: 5.33 cms, a4, Ref: pmin.2014-04-24.60.64

पेटेंट से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी

भविष्य का पूर्वानुमान

देश भर में पेटेंट फाइल करने की संख्या में खासा बढ़ोतरी न होकर इसकी सालाना वृद्धि दर 5 फीसदी के करीब रही है जिससे यह पता चलता है कि आने वाले समय में भी भारतीय बाजार में जेनरिक दवाओं का ही दबदबा बना रहेगा। नए दवाओं के इनोवेशन में देशी कंपनियों के मुकाबले विदेशी कंपनियां अधिक दिलचस्पी ले रही हैं। मैकेंजी के एक अनुमान के मुताबिक, इनोवेटिव प्रोडक्ट्स का कब्जा 2015 तक कुल बाजार के 10 फीसदी पर हो जाएगा।। ब्राजील में 14-15 फीसदी हिस्सेदारी इनोवेटिव प्रोडक्टस की है और इसका 60 से 70 फीसदी हिस्से पर कब्जा एमएनसी कंपनियों का है। इस लिहाज से भारतीय कंपनियां भी इस दिशा में अधिक खर्च कर रही हैं।

फार्मा सेक्टर में आर एंड डी बढ़ने से पेटेंट की संख्या में बढ़ोतरी होने की उम्मीद

फार्मा सेक्टर में आर एंड डी में महत्वपूर्ण इजाफा देखने को मिला है। 2007 में जहां इसपर 120 अरब डॉलर खर्च किया जा रहा था वह हाल के समय में बढ़कर 135 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। फार्मा सेक्टर के मुख्य कंपनियों द्वारा आर एंड डी में निवेश की योजना का मुख्य मकसद अपने उत्पादों एवं प्रक्रियाओं को पेटेंट कर अधिक से अधिक मुनाफा कमाने की है। ऐसी आशा की जा रही है कि छोटी एवं मध्यम आकार की फार्मा कंपनी भी इस दिशा में सोच रही है। ऐसा किए जाने से भारतीय फार्मा इंडस्ट्री वैश्विक स्तर पर लीडर बनने की दिशा में आगे बढ़ेगी।